20 अगस्त, 2019

प्राचीन भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियाँ : **डॉ. वी. रामानाथन**
आचार्य, रसायनशास्त्र विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वाराणसी

वैश्विक स्तर पर उभरता भारत : **डॉ. कृष्ण कुमार**
प्रवक्ता, राजनीतिशास्त्र विभाग
महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

21 अगस्त, 2019

भारतीय मीडिया की चुनौतियाँ : **श्री दिलीप सिंह**
वरिष्ठ पत्रकार
नई दिल्ली

लिक्विड क्रिस्टल एण्ड इट्स अप्लीकेशन : **डॉ. शैलेन्द्र ठाकुर**
प्रवक्ता, भौतिक विज्ञान विभाग
महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

सभी व्याख्यान पूर्वाह्न 11 बजे से होंगे

:: निवेदक ::

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

Mob. : 7897475917, 9794299451 • Web : www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

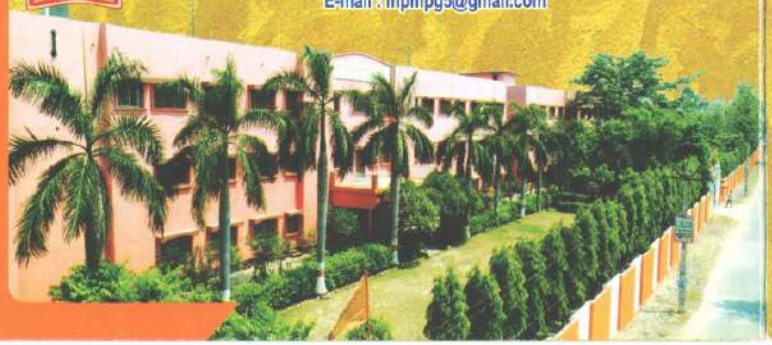

जननी जन्मभूमिश्च, स्वर्गादपि गरीयसी
जो हठि राखे धर्म को, तिहिं राखै करतार।।

(125वीं जयन्ती वर्ष) (जन्म शताब्दी वर्ष)

युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 50वीं पुण्यतिथि
एवं
राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की 5वीं पुण्यतिथि
की पावन स्मृति में आयोजित

साप्ताहिक व्याख्यान-माला

16 से 22 अगस्त, 2019

आमंत्रण

सेवा में,
श्रीयुत् ________________

____

____

उद्घाटन

16 अगस्त, शुक्रवार 2019
पूर्वाह्न 11.30 बजे

अध्यक्ष : **प्रो. उदय प्रताप सिंह**
पूर्व कुलपति
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उ.प्र.

मुख्य अतिथि : **प्रो. विजय कृष्ण सिंह**
मा. कुलपति
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उ.प्र.

मुख्य वक्ता : **डॉ. अनन्त नारायण भट्ट**
वैज्ञानिक 'ई', परमाणु चिकित्सा एवं सम्बद्ध विज्ञान संस्थान,
डी.आर.डी.ओ., नई दिल्ली

समारोप

22 अगस्त, गुरुवार 2019
पूर्वाह्न 9.30 बजे

अध्यक्ष : **प्रो. उदय प्रताप सिंह**
पूर्व कुलपति
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उ.प्र.

मुख्य अतिथि : **प्रो. सुरेन्द्र दुबे**
मा. कुलपति
सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, उ.प्र.

मुख्य वक्ता : **श्री पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ जी**
प्रतिष्ठित राजनैतिक, सामाजिक विचारक एवं चिन्तक
अलीगढ़, उ.प्र.

व्याख्यान कार्यक्रम

दिनांक/विषय — मुख्य वक्ता

17 अगस्त, 2019

सशस्त्र बलों को जानें : **ले. जनरल (अ.प्रा.) मानवेन्द्र प्रताप सिंह**
भारतीय सेना
सरोजिनी नगर, लखनऊ

क्लाइमेट चेन्ज एण्ड ग्लोबल वार्मिंग : **श्री विनय कुमार सिंह**
प्रवक्ता, प्राणि विज्ञान विभाग
महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

18 अगस्त, 2019

भारतीय अपराधिक न्याय व्यवस्था : **श्री विजय कृष्ण पाठक**
लोक अभियोजक, भ्रष्टाचार निरोधक शाखा
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली

इमर्सन एण्ड हिज हिन्दू फिलास्फी : **श्रीमती कविता मध्यान**
प्रवक्ता, अंग्रेजी विभाग
महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

19 अगस्त, 2019

अस्तित्व के केन्द्र से अस्तित्व के केन्द्र तक : ऊर्जा का प्रवाह : **प्रो. दिनेश कुमार सिंह**
पूर्व विभागाध्यक्ष, प्राणि विज्ञान विभाग
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

डिजीटल इण्डिया के बढ़ते कदम : एक दृष्टि : **डॉ. सुभाष कुमार गुप्त**
प्रवक्ता, वाणिज्य विभाग
महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 50वीं तथा राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की 5वीं पुण्यतिथि समारोह के अन्तर्गत महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम

1. गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम

आश्विन कृष्ण तृतीया सम्वत् 2076 को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक युगपुरुष गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 50वीं पुण्यतिथि है। आश्विन कृष्ण चतुर्थी को महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ के संस्थापक अध्यक्ष राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की 5वीं पुण्यतिथि है। गोरक्षपीठाधीश्वर द्वय की पुण्यतिथि में महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि के रुप में उन्हें समर्पित है। ये सभी कार्यक्रम महाविद्यालय द्वारा संचालित गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र द्वारा आयोजित किए गये।

I. सप्तदिवसीय व्याख्यान माला (16-22 अगस्त 2019)

व्याख्यान माला का उद्घाटन

16 अगस्त को युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 50वीं एवं राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की 05वीं पुण्यतिथि के पावन स्मृति में आयोजित सप्त दिवसीय व्याख्यान माला के उदघाटन अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, नई दिल्ली के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनन्त नारायण भट्ट ने "आयुर्वेद एण्ड माईन मेडिसिन : प्रॉस्पेक्ट्स, लिमिटेशन्स एण्ड चैलेंजेज" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह ने की। मुख्य अतिथि के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कुलपति प्रो. वी.के. सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी एवं आभार ज्ञापन प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया।

सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित मंचस्थ अतिथि

व्याख्यानमाला के दूसरे दिन व्याख्यान प्रस्तुत करते ले.ज. मानवेन्द्र सिंह

व्याख्यान-माला के दूसरे दिन

17 अगस्त को मुख्य वक्ता भारतीय सेना के अवकाश प्राप्त ले. जनरल मानवेन्द्र सिंह ने ''सशस्त्र बलों को जाने'' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में दूसरे वक्ता के रूप में महाविद्यालय के प्राणि विज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री विनय कुमार सिंह ने 'क्लाईमेट चेंज एण्ड ग्लोबल वार्मिंग' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। आभार ज्ञापन भूगोल विभाग के अध्यक्ष, डॉ. विजय कुमार चौधरी तथा संचालन गणित विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव ने किया।

व्याख्यानमाला के तीसरे दिन व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री विजय कृष्ण पाठक

व्याख्यान माला के तीसरे दिन

18 अगस्त को 'भारत की आपराधिक न्याय व्यवस्था विषय पर सी.बी.आई नई दिल्ली के लोक अभियोजक श्री विजय कृष्ण पाठक ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। दूसरे वक्ता के रूप में महाविद्यालय की अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान् ने ''इमर्सन एण्ड हिज हिन्दू फिलॉसफी'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में आभार ज्ञापन राजनीतिशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कृष्ण कुमार पाठक तथा संचालन बी.एड्. विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री नवनीत कुमार सिंह ने किया।

व्याख्यानमाला के चौथे दिन व्याख्यान प्रस्तुत करते प्रो. दिनेश कुमार सिंह

व्याख्यान माला के चौथे दिन

19 अगस्त को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं वैज्ञानिक प्रो. दिनेश कुमार सिंह ने ''अस्तित्व के केन्द्र से अस्तित्व के केन्द्र तक ऊर्जा का प्रवाह'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। दूसरे वक्ता के रूप में महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता ने ''डिजीटल इण्डिया के बढ़ते कदम'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। आभार ज्ञापन प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव तथा संचालन प्राणि विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री नवनीत कुमार ने किया।

व्याख्यान माला के पाँचवे दिन

20 अगस्त को ''प्राचीन भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियाँ'' विषय पर रसायनशास्त्र विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वाराणसी के आचार्य डॉ. वी. रामानाथन ने व्याख्यान प्रस्तुत किया तथा दूसरे वक्ता के रूप में राजनीतिशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कृष्ण कुमार पाठक ने ''वैश्विक स्तर पर उभरता भारत'' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में आभार ज्ञापन रसायनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिव कुमार वर्नवाल तथा संचालन रसायनशास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती प्रियंका मिश्रा ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. वी. रामानाथन

व्याख्यान माला के छठवें दिन

21 अगस्त को नई दिल्ली के वरिष्ठ पत्रकार श्री दिलीप सिंह ने ''भारतीय मीडिया की चुनौतियाँ'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। दूसरे वक्ता के रूप में भौतिक विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. शैलेन्द्र ठाकुर ने ''लिक्विड क्रिस्टल एण्ड इट्स एप्लीकेशन'' विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में आभार ज्ञापन प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव एवं संचालन मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री दिलीप सिंह

व्याख्यान माला : समापन समारोह

22 अगस्त को महाविद्यालय में आयोजित युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज तथा राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्त दिवसीय व्याख्यान माला के समापन अवसर पर ''नवगठित सरकार एवं सरकार के समक्ष आंतरिक चुनौतियाँ'' विषय पर प्रतिष्ठित राजनैतिक-सामाजिक चिंतक एवं विचारक पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रो. उदय प्रताप सिंह ने तथा आभार ज्ञापन प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव एवं संचालन प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

व्याख्यानमाला के समापन अवसर पर व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ